AMAR UJALA

लविवि की ओपीडी में ऑनलाइन सुनीं समस्याएं

विवि में शुरू की गई है छात्रों की समस्याएं सुनने के लिए दिन निर्धारित करने की परंपरा

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में शनिवार को विद्यार्थियों के लिए चलने वाली ओपन प्युपिल्स डे (ओपीडी) के अंतर्गत ऑनलाइन समस्याएं सुनी गईं। फिजिक्स विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. पूनम टंडन ने विद्यार्थियों को जूम सॉफ्टवेयर के माध्यम से समस्याओं का समाधान दिया। विवि प्रशासन ने इस साल से अपने यहां हर दिन किसी न किसी शिक्षक की ड्यूटी विद्यार्थियों की समस्याएं सुनने के लिए लगाने की व्यवस्था शुरू की है। विवि पर ताला लगा होने की वजह से यह ओपीडी ऑनलाइन चलाई गई।

प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि ओपीडी में विद्यार्थियों ने ऑनलाइन स्टडी, ई-बुक्स तथा ई-कंटेंट के बारे में जानकारी प्राप्त की। विद्यार्थियों की एक बड़ी समस्या यह भी थी कि वे थ्योरी तो ई-कंटेंट के माध्यम से कर सकते हैं, लेकिन प्रैक्टिकल कैसे करें। इस पर प्रो. टंडन ने उनको कुछ डिजिटल प्लेटफॉर्म बताए हैं। इसके अलावा काफी विद्यार्थी ऐसे थे जो विवि की परीक्षा तथा बिना परीक्षा पास होने की अफवाहों पर भी चर्चा कर रहे थे। विद्यार्थियों से कहा गया है कि वे पढ़ाई करतें रहें। किसी भी अफवाह के बजाय वे सबसे पहले विवि की वेबसाइट देखें। सभी जानकारी वेबसाइट के माध्यम से दी जाएंगी।

टैगोर पुस्तकालय के माध्यम से दिया गया प्रजेंटेशन

लविवि के टैगोर पुस्तकालय के असिस्टेंट लाइब्रेरियन डॉ. प्रविश प्रकाश ने विद्यार्थियों को ई-कंटेंट सुविधा का लाभ उठाने के लिए प्रजेंटेशन भी दिया। यह प्रजेंटेशन भी ऑनलाइन दिया गया है। डॉ. प्रविश प्रकाश के अनुसार विद्यार्थी विवि द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे ई-कंटेंट का उपयोग भी अपनी पढ़ाई में कर सकते हैं।

लविवि की समिति कराएगी शिक्षा विभाग के निर्देशों का पालन

लखनऊ। कोरोना वायरस संक्रमण की आशंका में शिक्षण संस्थान बंद होने के बाद उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशों का पालन करने के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया है। यह समिति उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशों का पालन कराने के लिए बनाई गई है। प्रो. पूनम टंडन को इसकी जिम्मेदारी दी गई है। समिति में उनके साथ ही प्रो. अवधेश त्रिपाठी तथा डॉ. किरणलता डंगवाल को रखा गया है। उच्च शिक्षा विभाग की ओर से जारी उच्च शिक्षा विभाग की गाइडलाइन में कहा गया है कि उच्च शिक्षण संस्थान पूरी तरह से बंद रहेंगे, लेकिन वे अपने-अपने घरों से काम करेंगे। शिक्षकों को इस दौरान घर पर रहकर पठन-पाठन के साथ ही शोधपत्र तथा शोध कार्य करना है। इसके साथ ही उन्हें विद्यार्थियों की ऑनलाइन कक्षाएं लेने तथा उन्हें ई-कंटेंट उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी करनी है। उच्च शिक्षा विभाग की प्रमुख सचिव की ओर से जारी निर्देश में शिक्षकों को- एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के लिए नवावार प्रोजेक्ट तैयार करने के लिए भी कहा गया है।

लखनऊ विश्वविद्यालय में बनाई गई है तीन सदस्यीय समिति